

## डेफएक्सपो-2022

### प्रलिस के लिये:

रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता, मेक इन इंडिया, IADD, हृदि महासागर क्षेत्र प्लस कॉन्क्लेव ।

### मेन्स के लिये:

डेफएक्सपो-2022, इसके उद्देश्य और महत्त्व ।

## चर्चा में क्यों?

डेफएक्सपो-2022 का 12वाँ संस्करण गुजरात के गांधीनगर में आयोजित किया जा रहा है ।

- [डेफएक्सपो का 11वाँ संस्करण](#) वर्ष 2020 में लखनऊ (उत्तर प्रदेश) में आयोजित किया गया था ।

## डेफएक्सपो-2022:

### परिचय:

- डेफएक्सपो रक्षा मंत्रालय का एक प्रमुख द्विवार्षिक कार्यक्रम है, जिसमें स्थल, जल तथा वायु रक्षा प्रणालियों के साथ-साथ घरेलू सुरक्षा प्रणालियों का प्रदर्शन किया जाता है ।
  - यह पहली बार चार-स्थल प्रारूप (four-venue format) में आयोजित किया जा रहा है जिसमें [रक्षा में 'आत्मनिर्भरता'](#) के लिये, लोगों को संलग्न करने और उन्हें एयरोस्पेस और रक्षा निर्माण क्षेत्र में शामिल होने के लिये प्रेरित करना शामिल है ।
  - इसका उद्देश्य घरेलू रक्षा उद्योग की ताकत का प्रदर्शन करना है जो अब सरकार और राष्ट्र के ['मेक इन इंडिया, मेक फॉर द वर्ल्ड'](#) संकल्प को मज़बूती प्रदान कर रहा है ।
  - यह विशेष रूप से भारतीय कंपनियों के लिये पहला संस्करण है ।
- थीम: गर्व का मार्ग ।

## प्रमुख बडि:

- यह [भारत-अफ्रीका रक्षा वार्ता \(IADD\)](#) के दूसरे संस्करण की मेज़बानी करेगा, जिसमें 53 अफ्रीकी देशों को आमंत्रित किया जाएगा ।
  - भारत-अफ्रीका रक्षा वार्ता, कषमता निर्माण, प्रशिक्षण, साइबर सुरक्षा, समुद्री सुरक्षा और आतंकवाद का मुकाबला करने जैसे क्षेत्रों सहित आपसी जुड़ाव के लिये अभिसरण के नए क्षेत्रों का पता लगाएगा ।
  - अफ्रीका के प्रति भारत का दृष्टिकोण [कंपाला सदिधांतों](#) द्वारा निर्देशित है ।
- लगभग 40 देशों की भागीदारी के साथ अलग हृदि महासागर क्षेत्र प्लस (IOR+) सम्मेलन में भारत अपने सैन्य हार्डवेयर को विभिन्न देशों में पेश करेगा ।
- यह सात नई रक्षा कंपनियों के गठन के एक वर्ष के उत्सव को भी चहिनति करेगा, जो पूर्ववर्ती [आयुध कारखानों](#) से बनी हैं ।
  - ये सभी कंपनियाँ पहली बार डेफएक्सपो में भाग लेंगी ।

## आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत रक्षा क्षेत्र में सुधार:

- [FDI सीमा में संशोधन](#): स्वचालित मार्ग के तहत [रक्षा वनिर्माण में FDI की सीमा](#) 49% से बढ़ाकर 74% कर दी गई है ।
- [परियोजना प्रबंधन इकाई \(PMU\)](#): सरकार से एक परियोजना प्रबंधन इकाई (अनुबंध प्रबंधन उद्देश्यों के लिये) की स्थापना के साथ समयबद्ध रक्षा उपकरणों की खरीद और त्वरित निर्णय लेने की उम्मीद की जाती है ।
- [रक्षा आयात में कमी](#): सरकार आयात के लिये प्रतिबंधित हथियारों/प्लेटफॉर्मों की एक सूची अधिसूचित करेगी और इस प्रकार ऐसी वस्तुओं को केवल घरेलू बाज़ार से ही खरीदा जा सकता है ।

- घरेलू पूंजीगत खरीद के लिये अलग से बजट प्रावधान ।
- आयुध निर्माण बोर्ड का नगिमीकरण: इसमें [कूछ इकाइयों की सारवजनकि सूची](#) शामिल होगी, जो डिज़ाइनर और अंतमि उपयोगकर्त्ता के साथ वनिर्माता के अधिकि कृशल इंटरफेस को सुनशिचति करेगा ।

[स्रोत: द हद्रि](#)

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/defexpo-2022-1>

